गोगा नवमी की कथा PDF

पौराणिक कथा के अनुसार गोगा जी की माता बाछल देवी की कोई संतान नहीं थी। वह अक्सर चिंतित रहती थी। एक दिन गुरु गोरखनाथ गोगामेडी पर तपस्या करने आये। जब बाछलदेवी गुरु गोरखनाथ के पास गईं और अपनी समस्या बताई, तो उन्होंने उन्हें खाने के लिए एक फल दिया और उन्हें एक बेटी का आशीर्वाद दिया और कहा, "आपका बेटा बहादुर होगा, जो सांपों को वश में कर सकता है और सिद्धों का मुकुट धारण करेगा।" 9 महीने बाद बाछल देवी ने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम गुग्गा रखा। बाद में उन्हें गोगा देव के नाम से जाना जाने लगा। वह गुरु गोरखनाथ के महान शिष्य थे।

pdfinbox.com